

Chapter-2

फसलें का त्योहार

Exercise 2.1

1 Mark Questions

1. पौष मास में मनाए जाने वाले एक प्रमुख त्योहार का नाम क्या है?

उत्तर: मकर संक्रांति

2. किस त्योहार पर भगवान सूर्य की पूजा की जाती है?

उत्तर: छठ पूजा

3. होली किस ऋतु में मनाई जाती है?

उत्तर: वसंत ऋतु

4. मकर संक्रांति का त्योहार किस विशेष तरीके से मनाया जाता है?

उत्तर: खिचड़ी बनाकर

5. बैसाखी का त्योहार किस राज्य में विशेष रूप से मनाया जाता है?

उत्तर: पंजाब

6. कृषि से जुड़ा त्योहार 'पोंगल' कहाँ मनाया जाता है?

उत्तर: तमिलनाडु

7. फसलों के त्योहार में गाँववाले किस तरह से मिलकर उत्साहित होते हैं?

उत्तर: सांगीत और नृत्य के साथ

8. बैसाखी का त्योहार किस फसल के कटाई से संबंधित है?

उत्तर: गेहूँ

9. फसलों के त्योहारों में धान की कटाई के बाद कौनसा त्योहार मनाया जाता है?

उत्तर: लोहड़ी

Exercise 2.2

2 Marks Questions

1. हरियाली तीज का महत्व और इसे कैसे मनाया जाता है?

उत्तर: हरियाली तीज व्रत का महत्व पतिव्रता देवी की पूजा करने में है और इसे मीठा खाकर मनाया जाता है.

2. फसलों के त्योहारों में कृषि कामगारों को कैसे श्रेय दिया जाता है?

उत्तर: कृषि कामगारों को प्रमोशन और सम्मान द्वारा उनका श्रेय दिया जाता है.

3. गाँवों में होने वाले कृषि मेलों का क्या महत्व है?

उत्तर: गाँवों में होने वाले कृषि मेलों से ग्रामीण समुदाय को नए और अधिक विकसित तकनीकों का परिचय होता है.

4. हरियाली तीज का त्योहार किस प्रकार से मनाया जाता है?

उत्तर: हरियाली तीज का त्योहार गांववाली महिलाएं साजसंवार करके और विशेष रूप से गानेनृत्य के साथ मनाया जाता है.

5. बैसाखी का महत्व और इसे कैसे मनाया जाता है?

उत्तर: बैसाखी का महत्व नए फसल की शुरुआत को चिरागों और नृत्यसंगीत के साथ मनाने में है.

6. फसलों के त्योहार में किस तरह से बाजारों को बढ़ावा दिया जाता है?

उत्तर: फसलों के त्योहारों में गाँववाले मेले और बाजार आयोजित करके बाजारों को बढ़ावा देते हैं.

7. बैसाखी मेला किस राज्य में सबसे विशेष रूप से मनाया जाता है?

उत्तर: पंजाब

8. फसलों के त्योहार में किस तरह से सांगीत और नृत्य का हमारे कृषि समृद्धि के साथ संबंध है?

उत्तर: सांगीत और नृत्य के माध्यम से गाँववाले आपसी मेलजोल में आते हैं और उत्साहित होते हैं.

9. कृषि से जुड़ा त्योहार 'पोंगल' किस राज्य में मनाया जाता है?

उत्तर: तमिलनाडु

Exercise 2.3

4 Marks Questions

1. फसलों के त्योहारों का क्या महत्व है और ये किस तरह से कृषि समृद्धि में मदद करते हैं?

उत्तर: फसलों के त्योहार भारतीय संस्कृति में गहरा महत्व रखते हैं क्योंकि ये कृषि समृद्धि, प्रकृति का सम्मान, और समृद्धि की भावना को उत्कृष्ट करते हैं.

2. फसलों के त्योहारों में कृषि कामगारों को कैसे प्रोत्साहित किया जाता है और इसका क्या प्रभाव होता है?

उत्तर: कृषि कामगारों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमोशन और सम्मान के माध्यम से उन्हें योग्यता और उत्साह मिलता है, जिससे उनका काम में समर्थन बढ़ता है.

3. फसलों के त्योहारों का आयोजन क्यों और कैसे किया जाता है और इसका क्या प्रभाव होता है?

उत्तर: फसलों के त्योहारों का आयोजन आत्मश्रद्धा और गर्व का अभिवादन करने के लिए किया जाता है और इससे सामुदायिक एकता में सुधार होता है.

4. गाँवों में होने वाले कृषि मेलों का क्या महत्व है और इससे कृषि समृद्धि में कैसे सहायक होता है?

उत्तर: कृषि मेले गाँवों में विभिन्न कृषि तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन करने का माध्यम होते हैं जो किसानों को नए और अधिक उत्कृष्ट तकनीकों का अध्ययन करने का सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं.

5. हरियाली तीज का महत्व और इसके पीछे छिपी कहानी क्या है?

उत्तर: हरियाली तीज व्रत का महत्व पतिव्रता देवी की पूजा करने में है और इसके पीछे छिपी कहानी उसकी भक्ति और पति के लिए अद्वितीय प्रेम को दर्शाती है.

6. फसलों के त्योहारों में किस तरह से बाजारों को बढ़ावा दिया जाता है और इसके क्या लाभ होते हैं?

उत्तर: फसलों के त्योहारों में गाँववाले मेले और बाजार आयोजित करके बाजारों को बढ़ावा देने से उत्पादकों को अधिक बिक्री का अवसर मिलता है और वहाँ ग्रामीण और नगरीय लोग मिलते हैं.

7. बैसाखी का महत्व और इसे कैसे मनाया जाता है?

उत्तर: बैसाखी का महत्व नए फसल की शुरुआत को चिरागों और नृत्यसंगीत के साथ मनाने में है.

Exercise 2.4

Faqs

1. पौष मास में मनाए जाने वाले त्योहार का महत्व क्या है?

उत्तर: मकर संक्रांति है, जो शिशिर ऋतु का समापन करता है और नए सौर मार्ग की शुरुआत को संकेतित करता है.

2. हरियाली तीज क्यों मनाई जाती है और इसके दौरान क्या परंपराएँ हैं?

उत्तर: हरियाली तीज पतिव्रता देवी की पूजा के लिए मनाई जाती है और इसमें साजसंवार का खास महत्व है.

3. बैसाखी क्या है और इसे कैसे मनाया जाता है?

उत्तर: बैसाखी नए फसल की शुरुआत को चिरागों और नृत्यसंगीत के साथ मनाने का एक प्रमुख पंजाबी त्योहार है.

4. फसलों के त्योहारों में कृषि कामगारों को कैसे सम्मानित किया जाता है?

उत्तर: कृषि कामगारों को प्रमोशन और सम्मान के माध्यम से सम्मानित किया जाता है.

5. फसलों के त्योहारों का आयोजन क्यों किया जाता है?

उत्तर: फसलों के त्योहारों का आयोजन आत्मश्रद्धा और गर्व का अभिवादन करने के लिए किया जाता है और इससे सामुदायिक एकता में सुधार होता है.

6. फसलों के त्योहारों में कृषि मेलों का क्या उद्देश्य है?

उत्तर: कृषि मेलों का उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों और उत्पादों के साथ अवगत कराना है.

7. फसलों के त्योहारों में बाजारों को कैसे बढ़ावा दिया जाता है?

उत्तर: फसलों के त्योहारों में गाँववाले मेले और बाजार आयोजित करके बाजारों को बढ़ावा देने से उत्पादकों को अधिक बिक्री का अवसर मिलता है.

8. फसलों के त्योहारों का अन्यथा अर्थ और समृद्धि से कैसे जुड़े होते हैं?

उत्तर: फसलों के त्योहारों का आयोजन और उनका मनाना कृषि समृद्धि की ओर संकेत करता है और लोगों को उनके भूमि और कृषि के साथ सम्बंधित करने में प्रेरित करता है.

Exercise 2.5

Summery

भारतीय समृद्धि और सांस्कृतिक विरासत में "फसलों का त्योहार" अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये त्योहार विभिन्न भूमिबूटों में अलग-अलग रूपों में मनाए जाते हैं और इसमें खेती, प्रकृति का सम्मान, और रुतबे की ऊंचाई का आदानप्रदान है। इन त्योहारों का आयोजन भारतीय कृषि समृद्धि और समृद्धि की ओर संकेतित करता है।

1. **मकर संक्रांति:** पौष मास के अंत में मनाया जाने वाला यह त्योहार सूर्य की पूजा और खिचड़ी बनाने के साथ मनाया जाता है।
2. **हरियाली तीज:** पतिव्रता देवी की पूजा के लिए मनाया जाने वाला यह त्योहार खासकर महिलाओं के बीच में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।
3. **बैसाखी:** पंजाब में नए फसल की शुरुआत को चिरागों और नृत्यसंगीत के साथ मनाने का यह पंजाबी त्योहार है।
4. **कृषि मेला:** किसानों को नई तकनीकों और उत्पादों से अवगत कराने के लिए आयोजित किया जाने वाला यह मेला विभिन्न क्षेत्रों में होता है।
5. **लोहड़ी:** धान की कटाई के बाद मनाया जाने वाला त्योहार, जिसमें लोग एकत्र होकर खासतर से बनी चीजों का आनंद लेते हैं।

इन त्योहारों में गाँववाले सांगीत, नृत्य, और धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से अपने जीवन को रंगीन बनाते हैं और उन्हें आपसी एकता में भी सहायता मिलती है। ये त्योहार भारतीय संस्कृति की धरोहर को बनाए रखने में मदद करते हैं और कृषि से जुड़े विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं।